crop into the market during the current rabi marketing season 1992-93, the allocation to Rajasthan for April and May, 1992 has not been reduced in view of the drought situation in the State.

Promotion avenues in NCCF

1979. SHRI RAM AWADHESH SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that employees in NCCF have not been promoted to their next higher grade for the last 10 years inspite of a number of posts lying vacant there;

(b) whether it is also a fact that number of persons working on daily wage basis have not been regularised so far despite their having completed more than 10 years in NCCF; and

(c) if so, what action NCCF proposes to take in this regard to mitigate the hardships being faced by the employees?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI KAMALUDDIN AHMED): (a) The employees of the NCCF of India were being promoted to higher posts till January, 1985 as per their Service Regulations. No Promotions could be made after wards owing to the deteriorating financial condition of the Institution.

(b) and (c) Yes, Sir. As per the information available, 41 employees were appointed between 1982-87 who are working on daily wages/consolidated pay and on *ad hoc* basis in regular scales. Out of the said 41 *ad hoc* appointees 6 have opted for voluntary retirement. There is no proposal at present to regularise the services of the *ad hoc* employees in view of the need to reduce manpower and curtail administrative expenses.

Ban on open cast mining in upper Assam

1980. SHRI BHADRESHWAR BURAGOHAIN: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in spite of the repeated objections by the public, open cast mining is going on unbated in the coal fields of upper Assam;

(b) whether any steps have so far been taken by Government to stop open cast mining; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B. NYAMAGOUDA): (a) to (c) The issue of environmental degradation caused by open cast mining in Assam has been brought to the notice of the Central Government by various distinguished persons, organisations of Assam and Government of Assam. On the basis of complaints received the Ministry of Environment and Forests had constituted an Expert Committee in 1988 to look into the environmental problems arising out of coal mining operations being carried out by Coal India Limited. On the basis of recommendations of the Expert Committee, the Government decided to stop open cast mining at Tikak. The mining operations were stopped from 5-4-1990. Only restoration work is in progress. The various protection measures undertaken at Tikak OC are monitored by CIL, Government and the Assam Pollution Control Board etc. The Government of Assam have expressed satisfaction with the environmental protection measures undertaken at Tikak. The activities presently undertaken at Tikak are basically for restoration of damage caused to the land and improving environment in general. Tirap is the other opencast mine. The workings in this mine are below the drainage level and therefore the flow of any material to the agricultural land is not taking place. Proper drainage

in the overburden dumps alongwith terracing and plantation has also been done to stabilise the overburden dumps. The discharge of water from Tirap opencast mine was found to be acidic and so one effluent treatment plant has been constructed which is functioning smoothly. The acidity of the treated discharge water is now within the permissible limit of ISI standard.

ई०सी०एल० के अधिकारियों द्वारा कोयले के आवंटन में घोटाला

1981. **श्री अश्विनी कुमार** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ई०सी०एल० के मुगीना क्षेत्रीय कार्यालय और इसके अधीनस्थ खुदिया कोलियरी में 12 फरवरी 1992 को मारे गए छापों में अनेक घोटालों का पर्दाफाश हुआ है ;

(ख) क्या छापों से यह पता चला है कि सरकार की आवंटन नीति का घोर उल्लंघन किया गया है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या कोयले की काला बाजारी और आपराधिक षडयंत्रों के आरोपों के आधार पर ई०सी०एल० के महाप्रबंधक (बिक्री) और उप-प्रबंधक (बिक्री) के के विरुद्ध कोई मामला दर्ज किया गया है ; और

(ङ) सरकार कोयले का घोटाला रोकने के लिए क्या कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

कोयला मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री एस०बी० नयमेगौड़ा) : (क) से (ङ) उपायुक्त धनबाद के निर्देशों के अंतर्गत खुदिया से कोयले का प्रेषण किए जाने के संबंध में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० में छापे मारे गए थे। इस संबंध में दो प्रथम सूचना रिपोर्ट दिनांक 12-2-92 तथा 4-3-92 को दर्ज की गई थी, जिसमें ई०को०लि० के कुछ अधिकारियों के अलावा जम्मू एवं कश्मीर के 20 कोयला उपभोक्ता और मिजोरम राज्य सहकारी विपणन उपभोक्ता संघ लि० तथा उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि शामिल थे, जिन पर काला बाजार में कोयले की बिक्री के षडयंत्र में अन्तर्ग्रस्त होने तथा जालसाजी करने का आरोप लगाया गया था। इस संबंध में अंतिम परिणामों की जानकारी जाच पूरी होने के बाद मिल सकेगी। सरकार की आबंटन संबंधी नीति के नियमों तथा विनियमों का उल्लंघन होने के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० के महा प्रबंधक (बिक्री) और उप महा प्रबंधक (बिक्री) के विरुद्ध न्यायालय में, उपर्युक्त दो प्रथम सूचना रिपोर्टों के अलावा, कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

कोयला उठाने के लिए डिलवरी आर्डर

1982. **श्री अनन्त राम जायसवाल** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में 1 जुलाई, 1991 से 31 मार्च, 1992 तक की अवधि के दौरान कुछ लोगों को व्यक्तिगत रूप से कोयला खदानों से सीधे कोयला उठाने के लिए डिलीवरी आर्डर जारी किए गए थे ;

(ख) नाम और पते सहित उन व्यक्तियों का ब्यौरा क्या है जिन्हें डिलीवरी आर्डर प्राप्त हुए ;

(ग) क्या डी०ओ० प्राप्त करने वाले व्यक्तियों ने अपने इलाके के आपूर्ति कार्यालय में अपना-अपना पंजीकरण कराया था, यदि हां, तो उन व्यक्तियों के नाम क्या हैं जिन्होंने अपना पंजीकरण कराया था ?

कोयला मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री (एस० बी० नयमेगौड़ा) : (क) से (ग) माननीय सदस्य द्वारा प्रस्तुत किए गए ब्यौरे के अनुसार ऐसे व्यक्तियों की पहचान किया जाना संभव नहीं है जिनके बारे में सूचना मांगी गई है। किन्तु इस संबंध